



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 8]  
No. 8]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 6, 1982/पौष 16, 1903  
NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 6, 1982/PAUSA 16, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

## वाणिज्य मंत्रालय

संयुक्त मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आदेश

बम्बई, 5 जुलाई, 1979

आदेश सं० एडीडीएल/लाइसेंस/31/05292/अप्रैल-मार्च-80/ई०पी० पॉल-1040

विषय: सर्वश्री इन्डो टेक्स एक्सपोर्ट हाउस प्रा० लि०, बम्बई के नाम में  
जारी किए गए आयात लाइसेंस सं० पी०/इडब्ल्यू/ 2914205, दिनांक  
17 अगस्त, 1979 को रद्द करने का आदेश।

मिलिए सं० अतिरिक्त/लाइसेंस/31/05292/एएम-80/ई०पी० पॉल/  
5-7-79:—उपर्युक्त विषय पर आदेश सं० शून्य दिनांक 17 नवम्बर, 1980  
में निम्नलिखित संशोधन जोड़ दिए गए समझे जाएं:—

2. पैरा 2 छठी पंक्ति में "मुद्रा नियंत्रण प्रति" शब्द को "प्रयोजन  
प्रति" द्वारा प्रतिस्थापित किया जाए।

विषय: लाइसेंस संख्या पी०/इडब्ल्यू/2914205, दिनांक 17 अगस्त, 1979 का  
सीमा शुल्क प्रति की अनुमति प्रति जारी करना।

यह निवेदन किया जाता है कि उपर्युक्त मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति,  
जिसका ब्यौरा नीचे दिया गया है, यदि प्रस्तुत की जाती है तो वैध नहीं

होगी और यदि उनके पतन पर मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति प्रस्तुत  
की जाती है या उपयोग की जाती है तो उसकी सूचना तत्काल ही हम  
कार्यालय को दी जाए।

लाइसेंस सं० एवं दिनांक	जारी करने का कार्यालय	मद	वैध अवधि	मूल्य	क्षेत्र
पी०/इडब्ल्यू/ 2914205 दिनांक 17 अगस्त, 1979	संयुक्त मुख्य निर्यातक आयात- निर्यात, बम्बई	(*)	12 अप्रैल— मास मार्च 1980	39,25,270/-	

\* 1979-80 की नीति के परिशिष्ट 26 में आने वाली मशों  
को छोड़कर परिशिष्ट 5 और 7 जैसा कि 1979-80 की  
नीति के पैरा 174/3 में निर्धारित किया गया है आयात हम  
शर्त के अधीन होगा कि एकल मद का आयात मूल्य में 2  
लाख रुपए से अधिक नहीं होगा।

### आवेश

बम्बई, 15 जनवरी, 1981

सं-एडीडीएल/एलआईसी/1200/020353/एएम-79/ई०पी०-पॉल — सर्वश्री एन्टरप्राइजेज, 146, सत्यगुरु नानक इण्डस्ट्रियल एस्टेट, वेस्टमें एक्सप्रेस हाईवे, गोरे गांव (ईस्ट) बम्बई-400063 की आयात नीति 1978-79 के परिशिष्ट 5 और 7 में दर्शाई गई मर्चों के आयात के लिए 17,51,648 रुपए का लाइसेंस संख्या-पी/डब्ल्यू/2907833, दिनांक, 31 मार्च, 1979 जारी किया गया था।

2. तत्पश्चात उन्हें एक कारण बताओ सूचना सं० एडीडीएल/एलआईसी 1200/020353/एएम-79/ईसी-पाल दिनांक 11 दिसम्बर, 1980 यह पूछने हुए जारी की गई थी कि 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके लिए जारी किए गए उपर्युक्त लाइसेंस को अद्यतन यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7 दिसम्बर, 1955 की धारा 9 (सी), 9 (सीसी) और 9 (डी) के अन्तर्गत क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और वह हम आधारे पर कि उक्त लाइसेंस में लाइसेंसधारी द्वारा स्वयं अथवा उसकी प्रेरणा से हेराफेरी की गई है। लाइसेंसधारी ने माल के आयात से संबंधित लाइसेंस की नियमों और शर्तों का उल्लंघन किया है और इसलिए जिस उद्देश्य के लिए लाइसेंस जारी किया गया था वह उद्देश्य पूरा नहीं होगा। लाइसेंसधारी से उत्तर के साथ यदि कोई हो तो, मूल लाइसेंस अनुलिपि प्रति में प्रस्तुत करने का भी अनुरोध किया गया था।

3. उपर्युक्त कारण बताओ सूचना के प्रति बम्बई के उच्च न्यायालय में वकील श्री एन०के० ठाकुर ने 15 दिसम्बर, 1980 को अपने उत्तर में कारण बताओ सूचना का विस्तृत ब्योरा देने से इंकार कर दिया है और कहा कि जिस ढंग से लाइसेंस में हेराफेरी की गई थी उसका ब्योरा नहीं दिया गया है। वकील 19 दिसम्बर, 1980 को सांय 3.30 बजे मुझ से मिले थीं और लाइसेंस की सीमा शुल्क और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रतियां प्रस्तुत करने के लिए मुझ से उन्होंने 8 दिनों का समय मांगा। तत्पश्चात वकील और अभ्य प्रतिनिधि मुझ से 24 दिसम्बर, 1980 और 26 दिसम्बर, 1980 को मिले और लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति प्रस्तुत करने के लिए और समय मांगा। लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति उनके पत्र दिनांक 26-12-80 के साथ अग्रप्रेषित की गई थी। 8 जनवरी, 1981 को लाइसेंसधारी के प्रतिनिधि मुझ से पुनः मिले और 12 जनवरी, 1981 तक लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति प्रस्तुत करने के लिए और समय के लिए अनुरोध किया। लेकिन वे उपर्युक्त कारण बताओ सूचना के अंतिम अनुच्छेद में दी गई चेतावनी के बावजूद भी लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति प्रस्तुत करने में असमर्थ रहे। इसलिए यह अनुमान लगाया जा सकता है कि लाइसेंसधारी कारण बताओ सूचना में दिए गए निवेदन के अनुसार लाइसेंस को अग्रप्रेषित करने के लिए तैयार नहीं है।

4. अतः अधोहस्ताक्षरी इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि उपर्युक्त लाइसेंस सं०-पी/डब्ल्यू/2907833, दिनांक 31 मार्च, 1979 में लाइसेंसधारी द्वारा या उसकी प्रेरणा से हेराफेरी की गई है और लाइसेंसधारी ने लाइसेंस की शर्तों और माल के आयात से संबंधित नियमों और शर्तों का उल्लंघन किया है और इसलिए लाइसेंस जिस उद्देश्य के लिए जारी किया गया था वह पूरा नहीं होगा। अतः यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि लाइसेंस तत्काल से ही अप्रभावी कर दिया जाए।

5. पूर्व की कड़िकाओं में जो भी बताया गया है उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस प्रारम्भ से ही रद्द अथवा

अप्रभावी कर दिया जाए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी अद्यतन यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश दिनांक 7 दिसम्बर, 1955 की धारा 9 उप-धारा (सी), (सीसी) और (डी) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकांशों का प्रयोग कर सर्वश्री श्री एन्टरप्राइजेज, बम्बई के लिए जारी किए गए उपर्युक्त लाइसेंस को एतद्द्वारा रद्द करता है।

बम्बई, 16 नवम्बर, 1981

विषय: सर्वश्री एकजय ओवरसीज ट्रेडर्स, बम्बई-21 के नाम में 26,31,569 रुपए के लिए जारी किए गए अतिरिक्त लाइसेंस सं० 0378005 दिनांक 16 सितम्बर, 1980 (कोई मूद्रा विनिमय प्रयोजन प्रति) को रद्द करने के लिए आदेश।

संख्या एडल/102/030035/एएम-81/एल/ई० पी० पाल/ओ डी :— सर्वश्री एकजय ओवरसीज ट्रेडर्स, बम्बई को अप्रैल-मार्च, 1981 लाइसेंस अवधि के लिए इस आदेश के पिछले भाग पर दर्शाई गई मर्चों के आयात के लिए 26,31,569 रु० मूल के लिए अतिरिक्त लाइसेंस सं० 0378005, दिनांक 16 सितम्बर, 1980 प्रदत्त किया गया था। उन्होंने उपर्युक्त अतिरिक्त लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई/अस्थानस्थ हो गई है।

2. इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने नोटरी महाशय राज्य, बम्बई द्वारा विधिवत साध्यांकित स्टाम्प कागज पर एकणपत्र पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई या अस्थानस्थ हो गई है तथा आदेश देता हूँ कि आवेदक को मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति की एक अनुलिपि प्रति जारी की जानी चाहिए। 26,31,569 रु० के लिए अतिरिक्त लाइसेंस सं० 0378005, दिनांक 16 सितम्बर, 1980 की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति रद्द की गई यमसी जाए।

विषय: 26,31,569 रुपए के लिए मूल अतिरिक्त लाइसेंस सं० पी/डब्ल्यू/0378005, दिनांक 16 सितम्बर, 1980 के खो जाने पर मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति जारी करना।

निवेदन है कि उपर्युक्त मूल अतिरिक्त लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति जिसका विवरण नीचे दिया गया है यदि प्रस्तुत किया गया तो वैध नहीं होगा और यदि अतिरिक्त लाइसेंस सं० पी/डब्ल्यू/0378005, दिनांक 16 सितम्बर, 1980 प्रस्तुत किया जाता है अथवा पत्र पर उपयोग में लाया जाता है तो इसकी सूचना तत्काल ही इस कार्यालय को भेजनी चाहिए।

अतिरिक्त ला० सं० और दिनांक	कार्यालय जिसके द्वारा जारी किया गया	मर्च जिसके लिए वैध है	अवधि अवधि	मूल्य	क्षेत्र
पी/डब्ल्यू/ 0378005, दिनांक 16-9-80	संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नि- यंत्रण, बम्बई	(*) 12 मास 1981	अप्रैल मार्च	26,31,569	सामान्य मुद्रा क्षेत्र

\* 1980-81 अवधि के लिए आयात नीति पुस्तक के परिशिष्ट 26 में दर्शाई गई मर्चों को छोड़कर परिशिष्ट 5 और 7 में दर्शाई गई मर्चें।

विषय: सर्वश्री स्टील काप्ट इण्डस्ट्रीज, बम्बई-34 के नाम में 12,37,500 रुपए के लिए जारी किए अधदाय लाइसेंस सं० पी/एल/0453070, दिनांक 13 जुलाई, 1981 (मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति एवं सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति दोनों) को रद्द करने के लिए आदेश।

आदेश संख्या इम्प्रेस्ट/31/ए एम-82/एल०/ई०पी० पाल/ओटी :- सर्वश्री स्टील काप्ट इण्डस्ट्रीज, बम्बई को अप्रैल-मार्च 1982 लाइसेंस अवधि के लिए इस आदेश के पिछले भाग पर दर्शाई गई मर्कों के आयात के लिए 12,37,500 रुपए मात्र के लिए अधदाय लाइसेंस सं० पी/एल/0453070, दिनांक 13 जुलाई, 1981 प्रदान किया गया था। उन्होंने उपर्युक्त अधदाय लाइसेंस (मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति और सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति दोनों) की अनुलिपि प्रति के लिए इन आधार पर आवेदन किया है कि मूल लाइसेंस खो गया है।

2. अपने तर्कों के समर्थन में आवेदक ने न्यायिक मैजिस्ट्रेट, बम्बई के सम्मुख विधिवत साध्यांकित स्टाम्प कागज पर एक शपथ पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि मूल अधदाय लाइसेंस सं० पी/एल/0453070, दिनांक 13 जुलाई, 1981 खो गया है तथा आदेश देता हूँ कि आवेदक को अधदाय लाइसेंस (मुद्रा विनियम नियंत्रण और सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति दोनों) की एक अनुलिपि प्रति जारी की जाए। 12,37,500 रुपए के लिए मूल अधदाय लाइसेंस सं० पी/एल/0453070, दिनांक 13 जुलाई, 1981 रद्द किया गया समझा जाए।

विषय: 12,37,500 रुपए के लिए मूल अधदाय लाइसेंस संख्या पी/एल/0453070, दिनांक 13 जुलाई, 1981 को खो जाने पर अधदाय लाइसेंस की अनुलिपि प्रति जारी करना।

निवेदन है कि उपर्युक्त मूल अधदाय लाइसेंस जिसके विवरण नीचे दिए गए हैं यदि प्रस्तुत किया गया तो वैध नहीं होगा और यदि मूल अधदाय लाइसेंस सं० पी/एल/0453070, दिनांक 13 जुलाई, 1981 प्रस्तुत किया जाता है अथवा पत्तन पर उपयोग में लाया जाता है तो इसकी सूचना तत्काल ही इस कार्यालय को भेजनी चाहिए।

आयात लाइ- सेंस संख्या और दिनांक	कार्यालय जिसके द्वारा जारी किया गया	मर्द जिसके लिए वैध है	अवधि अवधि मूल्य	क्षेत्र
पी/एल/ 0453070, दिनांक 13-7-81	संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, बम्बई	** 12 महीने 1982	अप्रैल- मार्च रुपए	सामान्य मुद्रा क्षेत्र

\*मैजिस्ट्रेट स्तर को छोड़कर किसी भी तहसील में जगहों परीक्षा इम्पाम बणर्ने कि संलग्न स्थान की शर्तों के अधीन हो।

विषय: सर्वश्री के० हरमोचिन्द दाम एंड कंपनी, बम्बई-400009 के नाम में 53,01,400 रु० के लिए जारी किए गए अतिरिक्त लाइसेंस सं० 0453074, दिनांक 14 जुलाई, 1981 (केवल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति) को रद्द करने के लिए आदेश।

आदेश सं० प्रति० 74/006766/ए० एम० 82/एल०/ई०पी०/पाल/ओटी :- सर्वश्री हरमोचिन्द दाम एंड कंपनी, बम्बई को अप्रैल-मार्च 1982 लाइसेंस अवधि के लिए इस आदेश के पिछले भाग पर दर्शाई गई मर्कों के आयात के लिए 53,01,400 रु० के लिए एक अतिरिक्त लाइसेंस सं० 0453074, दिनांक 14 जुलाई, 1981 प्रदान किया गया था। उन्होंने उपर्युक्त अतिरिक्त लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति खो गई/अस्थायित्व हो गई है।

2. इस तर्कों के समर्थन में आवेदक ने महानगरीय मैजिस्ट्रेट, बम्बई द्वारा विधिवत साध्यांकित स्टाम्प कागज पर एक शपथ पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति खो गई या अस्थायित्व हो गई है तथा आदेश देता हूँ कि आवेदक को मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की एक अनुलिपि प्रति जारी की जाए। 53,01,400 रु० के लिए अतिरिक्त लाइसेंस सं० 0453074, दिनांक 14 जुलाई, 1981 की मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति रद्द की गई समझा जाए।

विषय: 53,01,400 रु० के लिए मूल अतिरिक्त लाइसेंस सं० 0453074, दिनांक 14 जुलाई, 1981 को खो जाने पर अधदाय लाइसेंस की अनुलिपि प्रति जारी करना।

निवेदन है कि उपर्युक्त मूल अतिरिक्त लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति जिसका विवरण नीचे दिया गया है यदि प्रस्तुत किया गया तो वैध नहीं होगा और यदि मूल अतिरिक्त लाइसेंस सं० 0453074, दिनांक 14 जुलाई, 1981 की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति प्रस्तुत की जाती है अथवा पत्तन पर उपयोग में लाई जाती है तो इसकी सूचना तत्काल ही इस कार्यालय को भेजनी चाहिए।

अतिरिक्त- सेंस सं० और दिनांक	कार्यालय जिसके द्वारा जारी किया गया	मर्द जिसके लिए वैध	अवधि अवधि मूल्य	क्षेत्र
पी/एल/यू/ 0453074, दिनांक 14-7-81	संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात- निर्यात, बम्बई	** 12 महीने 1982	अप्रैल- मार्च रु०	सामान्य मुद्रा क्षेत्र

\*अप्रैल-मार्च, 1982 की नॉलि पुस्तक के परिशिष्ट 26 में दर्शाई गई मर्कों को छोड़कर परिशिष्ट 5 और 7 में दर्शाई गई मर्दें।

बम्बई, 25 नवम्बर, 1981

सं० एड्स/सा०/133/ए० एम०-80/ई०पी०-पाल:-सर्वश्री एन्जी कैम लेनोद्रीज प्रा० लि०, येमोला-423, 101, जिना नामिक को निम्नलिखित लाइसेंस उनके लिए संलग्न सूची में प्रवर्णित मर्दों का आयात करने के लिए जारी किए गए थे :-

क्रम सं०	लाइसेंस संख्या और दिनांक	मूल्य
1.	पी/एल/0451138, दिनांक 10 जून, 1981	114 रुपए
2.	पी/एल/0451139, दिनांक 10 जून, 1981	36,814 रु०
3.	पी/एल/0451140, दिनांक 10 जून, 1981	73,552 रु०

2. इसके बाद उन्हें एक कारण बताओ सूचना यह पृष्ठों हुए जारी की गई थी कि 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी किए गए उपर्युक्त लाइसेंस अद्यतन यदा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 19(1)(क) के अनुसार क्यों न रद्द कर देने चाहिए कि और वे इस आधार पर कि उक्त 3 लाइसेंसों के मर्दें दुध पाउडर का आयात करने के लिए पृष्ठांकित मिश्रा निरूपण द्वारा प्रदान किया गया था।

उपर्युक्त कारण बताओ सूचना के प्रति सर्वश्री एन्जी कैम लेनोद्रीज प्रा० लि० ने अपने उत्तर दिनांक 18-11-1981 में यह बताया कि "दुध पाउडर" मर्द की आवश्यकता, वास्तविक बिक्री आदि से पहले कच्चे माल, विभिन्न स्तर पर मध्यस्थ उत्पाद, मशीन से आने वाले उत्पाद, मिश्रित उत्पाद, अन्तिम उत्पाद, स्टोर किए गए उत्पाद का परीक्षण करने के लिए है। इसके समर्थन में उन्होंने सर्वश्री यूरानेब्रम, बम्बई से भी एक रिपोर्ट और सर्वश्री एन्जायम डिवलपमेंट कार्पोरेशन यू० एम० ए० के तकनीकी क्वैलिफिकेशन

की भी एक फोटो प्रति प्रस्तुत की है जिसमें "मिल्क स्टाट ऐसे" का विवरण है। श्री एच० आर० चर्मा अध्यक्ष निदेशक और श्री महेंद्र सोनी 18 और 19 नवम्बर, 1981 का मुझसे मिले, किन्तु अधिकतम मुनवाई के मोड़ पर उन्होंने कोई अतिरिक्त प्रश्न नहीं उठाया। पापेन आई०पी० मद आयात नीति 1981-82 के परिशिष्ट 17 की क्रम सं० ख-11 (1) "जो अन्यथा रूप से विशिष्टिकृत न हो औषध और औषध मध्यस्थ" के अन्तर्गत आती है। कालम 4 में इस मद के सामने जिसका अनुमति दी गई है वह "बायीं मात्रा से अपरिष्कृत औषध एवं रसायन है" जिन्हें मरणीय और निषेध भर्तों की सूची में दर्शाया गया है और जिनका वास्तव में उपयोग निर्दिष्ट उत्पाद के विनिर्माण किया जा रहा है। दुग्ध पाउडर कोई औषध या रसायन नहीं है और इसलिए उत्पाद आयात अनुमति नहीं है। 1981-82 की आयात नीति के परिशिष्ट 17 की कंडिका 8 में निर्दिष्ट अंतर्गत उत्पाद के विनिर्माण में प्रयुक्त होने वाले कच्चे माल/संघटकों का उल्लेख है, जो कि लाइसेंसधारी द्वारा प्रस्तुत की गई मशीनों की सूची के आधार पर आयात करने के लिए अनुमति दी जा सकती है। दुग्ध पाउडर पापेन आई०पी० का विनिर्माण करने के लिए तो कच्चा माल है और न ही कोई संघटक है अपितु यह केवल एक उपभोग्य सामग्री है। इसलिए, दुग्ध पाउडर की मद को पापेन आई०पी० के विनिर्माण के लिए अतिरिक्त रासायनिक या औषध मद के रूप में सूचीबद्ध नहीं किया जाना चाहिए। उपर्युक्त तीन लाइसेंसों के सम्बन्ध में लाइसेंसधारी द्वारा जो घोषणा दी गई थी, उनके आधार पर इसे

केवल दुग्ध पाउडर (सभी प्रकार के) का आयात करने के लिए पूर्णतः आयात करने के प्रयोजनार्थ मिथ्यानिर्माण के रूप में समझा जा सकता है।

4. इसलिए मैं इस निर्णय पर पहुंचा हूँ कि लाइसेंसधारी ने उपर्युक्त 3 लाइसेंस मिथ्यानिर्माण द्वारा प्राप्त किए हैं। इसलिए यह मुनिश्चय कारन आवश्यक है कि उपर्युक्त तीन लाइसेंस तत्काल में ही प्रभावहीन कर दिए जाएं।

5. उपर्युक्त कंडिकाओं में जो कहा गया है, उसको ध्यान में रखते हुए, मैं समुष्ट हूँ कि संबंधित लाइसेंस आदि रद्द अथवा अप्रभावी किए जाने चाहिए। इसलिए मैं अद्यतन यथा संगोष्ठित आयात (निर्यात) आदेश, 1955 दिनांक 7 दिसम्बर, 1955 की धारा 9(1) (क) के अन्तर्गत मेरे लिए संपि हुए अधिकारों का प्रयोग कर उपर्युक्त कंडिका 1 में उल्लिखित संबंधी एन्जो कैप नेबोर्टीज प्रा० लि०, येओसा के नाम में जारी किए गए तीन लाइसेंसों को एतद्वारा रद्द करता हूँ।

जो०आर० तायर, उप-मुख्य निबंधक, आयात-निर्यात